"जापानी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला" एवं "जापानी लिपि-लेखन प्रतियोगिता"

(Workshop on Japanese Writing Script and Competition on Japanese Writing Script)

अक्टूबर 5 – 12, 2015

कार्यक्रम शीर्षक:

(1) जापानी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला (Workshop on Japanese Writing Script), अक्टूबर 5 – 11, 2015

(2) जापानी लिपि-लेखन प्रतियोगिता (Competition on Japanese Writing Script), अक्टूबर 12, 2015

संक्षिप्त प्रस्तावना: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र में सत्र 2007 - 08 से विदेशी भाषा अध्ययन संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यह भारतबर्ष में एकमात्र स्थान है जहाँ हिंदी माध्यम से विगत अर्द्ध दशक से जापानी भाषा का नियमित रूप से अध्ययन हो रहा है। प्राय: यह देखा गया है कि इस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत अधिकतर विद्यार्थी जापान के विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर उच्चशिक्षा प्राप्त करने की अभिलाषा व्यक्त करते हैं। साथ ही, देशी-विदेशी मल्टि-नैशनल कंपनियों में अनुवादक एवं द्विभाषिक रोजगार प्राप्ति के लिए प्रयास भी करते हैं। इस दृष्टि से इन विद्यार्थियों को जापानी भाषा संबंधी लिपि-लेखन, वार्तालाप, व्याकरण, वाक्य-संरचना आदि का गहन प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। **"जापानी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला" एवं "जापानी लिपि-लेखन प्रतियोगिता"** इस दिशा में एक विनम्र प्रयास है। आशा है कि, यह प्रशिक्षण कार्यशाला जापानी भाषा संबंधी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अनेक दृष्टया लाभान्वित करेगी।

प्रशिक्षण कार्यशाला का विषय: इस लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यार्थियों को लगभग 100 लिपि-चिह्नों से परिचित कराया जाएगा। त्रुटिरहित लिपि-चिह्न लिखने के लिए विद्यार्थियों को लिपि का इतिहास, स्ट्रोक्स, स्ट्रोक पद्धति, रैडिकल्स आदि से परिचित कराया जाएगा।

कार्यशाला स्थल: प्रशिक्षण कार्यशाला एवं प्रतियोगिता अक्टूबर 5 – 12, 2015 को भाषा विद्यापीठ के अध्ययन कक्ष क्रमांक 6 में आयोजित की जाएगी।

कार्यशाला का समय: कार्यशाला दिनांक 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर, 2015 तक प्रतिदिन अपराह्न 4.00 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता का समय: प्रतियोगिता दिनांक 12 अक्टूबर, 2015 को अपराह्न 4.00 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

भागीदारी: जापानी भाषा पाठ्यक्रम में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को इस कार्यशाला में भाग लेना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त जापानी भाषा के भूतपूर्व विद्यार्थी भी 'पहले आओ पहले पाओ' पद्धति के आधार पर इस कार्यशाला में भाग ले सकते हैं। इस कार्यशाला में कुल 25 विद्यार्थी प्रतिभागी होंगे।

निदेशक

(प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल)
भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ

संयोजक

(सन्मति जैन)
सहायक प्रोफेसर, जापानी भाषा,
भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ

* कृपया सभी विद्यार्थी 01/10/2015 तक अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें।